

FREEMASON : *समवायधर्मिन् (m.) ; संसर्गध्वजिन् (m.).
 FREEMASONRY : *समवायधर्मः ; संसर्गध्वजः.
 FREEMINDED : I. Lit. : स्वाधीनमनस् (mfn.) II. Careless : निश्चिन्तमनस् (mfn.) etc.
 FREENESS : v. Freedom.
 FREE-SPOKEN : (1) स्फुटभाषिन् (f. जी) ; (2) स्पष्ट-वादिन् (f. नी).
 FREE-STONE : सुलच्छेद्यप्रस्तरविशेषः ; *विघटोपलः.
 FREE-THINKER : *यथेच्छभावुकः (की, कं) : v. Also atheist.
 FREE-THINKING : यथेच्छभावना : v. Scepticism.
 FREE-WILL : I. In gen. : यथेच्छा. II. Phil. t. t. : v. Will.
 FREEZE (v.i.) : I. Lit. : शिलीभवति, *where even on roads where snow has frozen*: मार्गे शिलीभूत-हिमेऽपि यत्र, Ku. i. 11.; घनीभवति. (=to congeal). II. Fig. : जडीभवति (nomi.).
 FREEZE (v.i.) : I. Lit. : शिलीकरोति, घनीकरोति. II. Fig. : जडीकरोति.
 FREIGHT (subs.) : I. Cargo : q.v. : expr. by द्रव्यम् or माण्डम्, *f. to go to Mathura*: मथुरागामीनि माण्डानि, P. II. Fare : (1) तरः (gen. term). M. viii. 406. ; (2) बाहिकम् (after तारिकम्).
 FREIGHT (v.) : माण्डानि निवेशयति (c. of विश्) (with loc.) : v. To load.
 FRENCH : *फरासीयः (या, यं). Ph. : *to take f. leave*: *चौरप्रस्थानं करोति. F. -bean : क्षुद्रशिम्बिः.
 FRENZIED : उन्मत्तः (ता, तं) : v. Mad. F. ly : v. Madly.
 FRENZY : उन्मादः : v. Madness.
 FREQUENCY : (1) पौनःपुन्यम् ; (2) अभीक्ष्णता or अभीक्ष्ण्यम् ; (3) समभिहारः, *by f. of acts*: क्रियासमभि-हारेण, Si. ii. 43.
 FREQUENT (adj.) : expr. by adv., *his visit to me are f.*: स मामभीक्ष्णं पश्यति : v. F. ly, continually.
 FREQUENT (v.) : नियतं गच्छति : v. To go, visit ; *f. ly, continually*.
 FREQUENTATIVE : (1) समभिहारार्थकः (का, कं) (after Pāṇini) ; (2) यङन्तः (न्ता, न्तं) (=ending in यङ् of Sanskrit verbs only).
 FREQUENTED, MUCH (adj.) : जनाकीर्ण (f. र्णा) (=crowded : q.v.).

FREQUENTLY : (1) पुनःपुनः ; (2) सुदुर्मुहुः ; (3) भूयोभूयः ; (4) असङ्कतः ; (5) अभीक्ष्णम् ; (6) समभि-हारेण.
 FRESCO : I. Coolness : q.v. II. In painting : मण्डोदकेन मितौ चित्रकरणम्. *Painting in f.*: मण्डोदक-चित्रम् (?).
 FRESH : I. New : q.v. : (1) अभिनवः (वा, वं), *f. blood*: अभिनवशोणितम्, Sa. vi. 32.; *f. youth*: अभिनवयौवनम्, K.; (2) प्रत्यग्रः (या, यं), *with f. flowers*: प्रत्यग्रैः कुसुमैः, Me.; (3) sometimes by सद्यः, *f. meat*: सद्योर्मांसम्, J. II. Not saline : (1) निर्दोषः (पा, पं) ; (2) पेयः (या, यं) (=drink-able). Ph. : *having f. water*: शुद्धोदः (दा, दं), D. s.; आस्वाद्यतोयः (या, यं), H. III. Unprac- tised: नवः (वा, वं), *f. men*: नवाः ; प्रथमवर्षच्छात्राः. IV. Of wind: *f. air*: शिवा मरुतः, Ki. vi. 33.; सुखा वाताः, M. n.
 FRESHEN (v.t.) : I. To refresh : q.v. II. To take saltiness from : निर्दोषीकरोति (?); विलवणी-करोति (?).
 FRESHEN (v.i.) : v. Fresh, to become.
 FRESHLY : I. Newly : q.v. : अभिनवम्. II. Coo- lly : सुखम्.
 FRESHNESS : I. Newness : नवीनता. II. Liveliness : उल्लासः. III. Pleasantness : सुखता. IV. Not salted-ness ; निर्दोषता. Better by adj. : v. FRESH.
 FRESH-WATER (adj.) : expr. by comp., *f. fishes*: पेयजलमत्स्याः or नादेयमत्स्याः (=river-f.).
 FRET (subs.) : क्षोभः : v. Agitation, vexation.
 FRET (v.t.) : I. To rub : q.v. : घर्षति (घृष्, c. 1.). II. To impair : q.v. : दापयति (c. of दो). III. To variegate : q.v. IV. To vex : q.v. : क्षिण्णाति (क्षिष्, c. 9.). v. To agitate : q.v.
 FRET (v.i.) : I. To be agitated : q.v. : क्षुभ्यति (क्षुम्, c. 4.). II. To be vexed : क्षुभ्यति ; सन्तप्यते (pass. of तप्).
 FRETFUL : (1) चण्ड (f. ण्डा) (=irritable) ; (2) प्रतीपः (पा, पं) (=cross) ; (3) शीघ्रक्षुब्ध (f. ण्धा), आशुसन्तप्त (f. स्ता), etc. (?).
 FRETFULLY : (1) सक्रोधम् (=angrily) ; (2) क्षोभेण ; (3) by adj.